बांस उत्पादकों को बढ़ावा देने के लिए

पहड़िया युवाओं को मिला प्रशिक्षण

आवाज प्रतिनिधि। 6 मई

तालझारी/साहिबगंज। तालझारी प्रखंड के पकड़िया पहाड़, बोंगा पहाड़, दरबास पहाड़, बेकचुरी पहाड़, बासबेरा पहाड़ के 15 किसानों को जीवि दाः हासा प्रोजेक्ट के तहत बांस की वैज्ञानिक खेती को लेकर 2 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित की गई। इस प्रशिक्षण का आयोजन परती भूमि विकास समीति एस पी डब्लू डी एवं वन उत्पादकता संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य बांस उत्पादक पहड़िया युवाओं को बांस की आधुनिक खेती और उपयोग की जानकारी उपलब्ध कराना था। 4 मई के उद्घाटन सत्र में आईएफपी के निदेशक डॉ नीतिन कुलकणी,

जीआरसी डॉ योगेश्वर मिश्रा, डीएफओ अंजना तिकी सहित अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिक और एस पी डब्लू डी के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। वही आईएफपी के डायरेक्टर ने अपने उद्घाटन संबोधन में किसानों को संस्थान द्वारा बांस उत्पादन तथा उसके प्रसंस्करण के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। जीआरसी डॉ योगेश्वर मिश्रा ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से संस्थान द्वारा बांस उत्पादन के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों को बताया, इसके आलावे उन्होंने भारत सरकार द्वारा बांस की खेती को बढ़ावा देने के लिए किये जा रहे योजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की। 2 दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम को इस प्रकार से डिज़ाइन किया गया कि किसानों को क्लास रूम ट्रेनिंग के साथ साथ फील्ड में खुद से कर के देखने का भी मौका मिले। किसानों को प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बांस की अलग अलग प्रजातियों, उनके गुणधर्म और उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही नए बांस ऑर्चर्ड के लिए खर्च, पौधा से पौधा की दूरी, पिट साइज और देखरेख पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। इसके बाद संस्थान के 10 एकड़ में फैले अलग अलग किस्म की बांस, उनके उपयोग आदि को प्रत्यक्ष दिखाया गया। शाम में बांस की पौध तैयार करने की विधियों, उसके फायदे आदि को बताया गया।